अध्यक्ष महोदय : हमारे यहां ऐसा नही होता ।

श्री सूरज भान (अम्बाला) : अम्बाला में थाने में मां और बेटे को नंगा करके एक दूसरे पर लिटाया गया । जब मैं प्रोटेस्ट करने के लिए वहां गया, तो डी.एस पी ने मुझे धक्का दिया ।

अध्यक्ष महोदय : मैंने कर दिया है ।

श्री राम विलास पासवान : (हाजीपुर) मैंने कल आपसे मिलकर वांछित नंबर के सम्बन्ध में नियम 377 के अधीन इजाजत देने के लिए कहा था ।

अध्यक्ष महोदय : जब आप मुझ लिख कर देंगे, तो मैं कहूंगा ।

I will take it up.

श्री राम विलास पासवान : मैंने स्वयं एक को वेगर्स होम से छुड़वाया है । मैंने लिख कर दिया है । सेक्रेटरी जनरल ने मुझे बताया कि उसको आज रखा जाएगा । लेकिन आज पता चला है कि आपने फैक्ट्स के लिए भेजा है । मैं पार्लियामेंट का मेम्बर हूं । पार्लियामेंट का मेम्बर जिस बात को कहता है, उसके लिए उसकी जवाब देही है ।

अध्यक्ष महोदय : आपकी बात सही है । लेकिन मैंने फैक्ट्स मांगे है । आपको इसमें इतराज नहीं होना चाहिए । सब फैक्ट्स मेरे पास आते हैं ।

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Not allowed.

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Not allowed. Not a single word.

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : This is not my job. Not allowed. I cannot help it. Under the law. I cannot direct the Minister of Home Affairs. I cannot middle, Mr. Harikesh Bahadur.

12.08 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(I) Need for perspective planning for transport system in Delhi.

SHRI BHEEKHABHAI (Banswara): It has been off and on recognised that the local transport system in the capital will have to be organised in perspective. It would be unwise to believe that road transport alone would be able to cope with this problem effectively. It is, therefore, suggested that perspective planning in this sphere is a must. It is with this idea that I would suggest following interim measures for giving a satisfactory transport system :—

(i) Local tram system in trans-Yamuna area and in New Delhi should be introduced immediately wherever feasible.

(ii) Delhi Transport Corporation should immediately plan to run shuttle services on all small congested routes side by side with all the existing long routes.

(iii) Sheds should be constructed at least on one side of each bus stop.

(iv) Routes should be organised in a way so that there is very little overlapping.

(v) Areas like Cannought Place and other congested areas should be kept free of bus traffic.

(vi) Periodic surveys should be con-

[Shri Bheekhabhai]

ducted on all routes to provide buses according to the requirements of passengers.

I am sure these and other suggestions give from time to time would be immediately considered to relieve the public of growing local transport problem.

(Interruptions)

डा० बसन्त कुमार पंडित (राजगढ़) : डी० डी० ए० और मिनिस्टर आफ वर्क्स एण्ड हाउसिंग के अगेंस्ट मेरा प्रिविलेज मोशन दिसम्बर से पेंडिंग है। उसका क्या हुआ ?,

MR. SPEAKER : I have got the reply.

(Interruptions)

MR. SPEAKER : I cannot do it, Mr Neelaloithadasan Nadar.

(Interruptions)

MR. SPEAKER : This subject can be taken up in the court.

*(Interruptions)***

MR. SPEAKER : I cannot interfere. Nothing is going on record.

*(Interruptions)***

SHRI HARIKESH BAHADUR (Gorakhpur) : We are walking out on this.

12.10 hrs.

(Shri Harikesh Bahadur, Shri A. Neelalohitadasan Nadar and Shri R. N. Rakesh then left the House.)

श्री राजेश कुमार सिंह (फिरोजाबाद) : माननीय, होली है 16 तारीख को और आपके यहां छुट्टी नहीं है लोगों का त्यौहार है। मेरा निवेदन होली की छुट्टी के सम्बन्ध में है।....(व्यवधान)....होली पर 16 तारीख को लोग अपने-अपने क्षेत्र में जाएंगे और हमारे ब्रज में तो उसका बहुत महत्व है। आपके यहां इसके लिए कोई छुट्टी नहीं है।

एक माननीय सदस्य : 16 तारीख को छुट्टी होनी चाहिए।

श्री राम विलास पासवान : (हाजीपुर) उस दिन फिर कोरम पूरा नहीं होगा।

अध्यक्ष महोदय : वह कहते हैं होली 17 को है। 17 की होली बनाते हैं।

श्री राम विलास पासवान : कहीं 16 भी है कहीं 17 भी है। यह पंडित लोग कन्फ्यूज कर गए हैं.... (व्यवधान)....

अध्यक्ष महोदय : यह पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर सोच लेंगे।

....(व्यवधान)....

(II) Rehabilitation of refugees from Bangladesh.

SHRI ZAINAL ABEDIN (Jangipur): Sir, several displaced families uprooted from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) are living a miserable life on the pavement near Jaisalmer House, New Delhi, since more than five years. There are aged men and women and children among them patiently awaiting rehabilitation facilities from Government. They have been pleading, representing and appealing all these year for permanent rehabilitation to put an end to miserable plight but without any avail. While the Rehabilitation Department is not taking any steps to

**Not recorded.